दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ & Fax : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : digvijayans@gmail.com
: dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक 08.10.2022

प्रकाशनार्थ

दिनांक– 8 अक्टूबर 2022 को महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग में **वायु सेना दिवस** के उपलक्ष्य में **''भारत के रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हेतु बढ़ते कदम''** विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें **मुख्य अतिथि डॉ प्रदीप कुमार राय, मर्यादा पुरुषोत्तम पी.जी. कॉलेज, भुड़सुरी, रतनपुरा, मऊ** ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत के उत्तर और पश्चिमी सीमा पर हमारे दो शत्रु है। जिसमें चीन सैनिक तथा तकनीकी दृष्टि से भारत से बहुत आगे है। जिसके कारण भारत को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ाना होगा। भारत अब एक क्षेत्र में आगे बढ़ा है इसलिए सार्वजनिक भारतीय कंपनियों के साथ–साथ निजी कंपनियां भी रक्षा क्षेत्र में कार्य कर रही है इसके लिए भारत में उत्तर प्रदेश तथा तमिलनाडु में डिफेंस इंडस्ट्रियल कारिडोर की स्थापना कर रहा है जिससे भारत रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर होगा साथ ही साथ यह भारत की आर्थिक संपन्नता में भी महत्वपूर्ण भूमिका निर्वाह करेगा। भारत की रक्षा क्षेत्र में निर्यात तेजी से कदम बढ़ा रहा है। आज भारत ब्रह्मोस, तेजस जैसे अत्याधुनिक हथियारों को निर्यात कर रहा है इसके साथ ही भविष्य की सुरक्षा चुनौतियों को बताते हुए। उन्होने बताया है कि आगे चलकर विश्व कान्टेक्ट लेस वार और अंतरिक्ष युद्ध की तरफ अग्रसर हो रहा है जिसमें सैनिक एक दूसरे से बिना संपर्क में आए हुए युद्ध लड़ने के लिए तत्पर होंगें। आज भारत 75 से ज्यादा देशों में रक्षा सामग्री निर्यात कर रहा है और यह भारत की रक्षा क्षेत्र में बढ़ती आत्मनिर्भरता की ओर अग्रसर होने का प्रमाण दे रहा है। यह निर्यात प्रत्येक वर्ष बढ़ता जा रहा है। जिससे भारत तेजी से रक्षा निर्यातक देश के रूप में स्थापित हो रहा है। यह भारत के आर्थिक विकास के लिए भी बहुत महत्वपूर्ण हो सकता है। जिससे कि भारत आज विश्व की शक्तियों मैं गिना जा रहा है।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में महाविद्यालय के **प्राचार्य प्रोफेसर ओमप्रकाश सिंह** ने बताया कि वायुसेना की स्थापना के वर्ष 1932 में हमारी मातृ संस्था महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की भी स्थापना हुई थी। साथ ही यह भी बताया कि आज विश्व व्यवस्था पर अपना वर्चस्व ही स्थापित करने हेतु दो रास्ते है जिसमें एक बाजार और दुसरा संचार। भारत भी भविष्य को ध्यान में रखकर अपनी रक्षा नीति का निर्माण कर रहा है इसके लिए वह अपने को रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर होकर शक्तिशाली बना सकता है, जैसे अमेरिका की शक्ति उसकी सूचना एवं प्रौद्योगिकी के कारण है। यह भी बताया कि आने वाले दिनों में हम रक्षा अर्थव्यवस्था की तरफ अग्रसर हो रहे हैं जो भविष्य की तैयारियों के लिए भारत को आत्मनिर्भर बनाएगी आज विश्व में विभिन्न संघर्षों के रूप दिखाई दे रहे हैं जिसमें तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी श्रेष्ठाता वाला राष्ट्र की इन संघर्षों में सफलता प्राप्त कर सकता है।

कार्यक्रम का **संचालन विभाग के प्रभारी डॉ. राम प्रसाद यादव तथा स्वागत विभागीय शिक्षक डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह** ने किया तथा उक्त अवसर पर विभागीय शिक्षक विकास कुमार पाठक एवं छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

डॉ. शैलेश कुमार सिंह
मीडिया एवं जनसर्म्पक अधिकारी